डॉ. शिवानन्द नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग (चमोली)

ACCREDITED WITH GRADE B NAAC

मोनाल

ई-पत्रिका

अंक - 08 पृष्ठ - 13 अक्टूबर - दिसम्बर 2024

एन.एस.एस. के तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

01अक्टूबर 2024

'स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा' के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के अवसर पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के खेल एवं युवा मंत्रालय के निर्देशानुसार 'माई भारत' अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य रक्तदान के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना और समाज में मानवता की सेवा में योगदान देना है। शिविर का आयोजन महाविद्यालय सभागार में किया गया, जहाँ राजकीय चिकित्सालय कर्णप्रयाग के डॉक्टरों की एक कुशल टीम ने चिकित्सा सेवाएँ प्रदान की। इस टीम ने शिविर में आए रक्तदाताओं की पूरी जाँच कर सुनिश्चित किया कि रक्तदान पूरी तरह सुरक्षित हो और सभी स्वास्थ्य मानकों का पालन हो। इस अवसर के मुख्य अतिथि चमोली जिले के पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी और प्रसिद्ध सर्जन डा. राजीव शर्मा, जो न केवल चिकित्सा क्षेत्र में अपने उल्लेखनीय कार्यों के लिए जाने जाते हैं, बल्कि समाज सेवा के क्षेत्र में भी उनकी अहम भूमिका रही है, ने अपने वक्तव्य में रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला और इसे जीवन रक्षक कार्य बताया और कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को इस पुनीत कार्य में अपना योगदान देना चाहिए। विशिष्ट अतिथि समाजसेवी अरविंद चौहान व आदित्य राम बहुगुणा ने कहा कि रक्तदान से न केवल जीवन बचाया जा सकता है, बल्कि समाज में आपसी भाईचारा और सहानुभूति का विकास होता है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. वी. एन.खाली ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के आयोजन से महाविद्यालय में एक सकारात्मक ऊर्जा और सेवा भाव का संचार हुआ है, जिससे सभी छात्रों और समाज के लोगों को प्रेरणा मिली है। इस दौरान डा. शिप्रा ने रक्तदान के महत्व और इसके सामाजिक एवं स्वास्थ्य लाभों पर जानकारी दी। रक्तदान शिविर में राजकीय महाविद्यालय नंदासैण के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डा. रितु, डा.पूनम,डा.नीतूदत्त नौटियाल, डा. सुबोध ने भी अपने महाविद्यालय के स्वयंसेवी दल के साथ इस रक्तदान शिविर में प्रतिभाग किया । इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डा. चंद्रावती टम्टा, डा.हिना नौटियाल, डा.मदन लाल शर्मा, डा. पूनम, एनएसएस व एनसीसी कैडेट्स ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी प्रतिभागियों ने रक्तदान के प्रति उत्साह दिखाया और डा.मदन शर्मा, हिमानी, रोहित सिंह, गिरीश राणा व अनिल रावत ने रक्तदान किया। शिविर के अंत में सभी प्रतिभागियों ने रक्तदान की शपथ ली और भविष्य में भी इस तरह के सामाजिक कार्यों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। इस अवसर के मुख्य अतिथि चमोली जिले के पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी और प्रसिद्ध सर्जन डा. राजीव शर्मा ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे जीवन रक्षक कार्य बताया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को इस पुनीत कार्य में योगदान देना चाहिए। विशिष्ट अतिथियों समाजसेवी अरविंद चौहान और आदित्यराम बहुगुणा ने भी रक्तदान के महत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि इससे न केवल जीवन बचाया जा सकता है, बल्कि समाज में आपसी भाईचारा और सहानुभूति का विकास भी होता है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. वी. एन. खाली ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के आयोजन से महाविद्यालय में सकारात्मक ऊर्जा और सेवा भाव का संचार हुआ है, जिससे छात्रों और समाज के लोगों को प्रेरणा मिली है। इस दौरान डा. शिप्रा ने रक्तदान के सामाजिक एवं स्वास्थ्य लाभों पर जानकारी दी। रक्तदान शिविर में राजकीय महाविद्यालय नंदासैण के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डा. रितु, डा. पूनम, डा. नीतू दत्त नौटियाल और डा. सुबोध ने अपने महाविद्यालय के स्वयंसेवी दल के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में एनएसएस और एनसीसी कैडेट्स ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी प्रतिभागियों ने रक्तदान के प्रति उत्साह दिखाया और डा. मदन शर्मा, हिमानी, रोहित सिंह, गिरीश राणा एवं अनिल रावत ने रक्तदान किया। शिविर के अंत में सभी प्रतिभागियों ने रक्तदान की शपथ ली और भविष्य में इस तरह के सामाजिक कार्यों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। इस सफल आयोजन ने महाविद्यालय और समाज में सेवा की भावना को प्रोत्साहित किया।

भूगोल विभाग मे आयोजित हुई फ्रेशर्स पार्टी रिया एवं सचिन चुने गये मिस एंव मिस्टर फ्रेशर्स

01अक्टूबर 2024

भूगोल विभाग में एम.ए. तृतीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं द्वारा एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के छात्रों के लिए फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डा. वी. एन. खाली, विभाग प्रभारी डा. आर.सी. भट्ट, डा. भालचन्द्र सिंह नेगी, डा. नेहा तिवारी पाण्डेय और डा. नरेंद्र पंघाल द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। प्राचार्य डा. वी. एन. खाली ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से छात्रों में आपसी सौहार्द और मेलजोल बढ़ता है, जिससे उनका समग्र विकास होता है। विभाग प्रभारी डा. आर. सी. भट्ट ने प्राचार्य और अन्य प्राध्यापकों का धन्यवाद करते हुए इस कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि फ्रेशर्स पार्टी जैसे आयोजनों से नए छात्रों को न केवल परिचय मिलता है बल्कि यह एक अवसर होता है जिसमें वे अपनी समस्याओं को साझा कर सकते हैं और अपनी कमजोरियों को सुधार सकते हैं। डा. बी. सी. एस. नेगी ने छात्रों को अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करते हुए भविष्य में उत्कृष्टता प्राप्त करने की प्रेरणा दी। फ्रेशर्स पार्टी के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य रूप से गीत, संगीत, नृत्य, स्वरचित कविताएं, सामान्य ज्ञान, कुर्सी दौड़, और पेपर डांस जैसे टास्क शामिल थे। इन प्रतिस्पर्धाओं के आधार पर सचिन कुमार को मिस्टर फ्रेशर्स और रिया को मिस फ्रेशर्स चुना गया। निर्णायक मंडल ने उन्हें इस खिताब के योग्य घोषित किया, और एम.ए. तृतीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं ने उन्हें ताज और पुरस्कार भेंट किए। इस अवसर पर भूगोल विभाग के प्राध्यापक डा. नेहा तिवारी पाण्डेय, डा. नरेंद्र पंघाल, डा. अखिलेश कुकरेती, डा. इन्द्रेश कुमार पाण्डेय, श्री एस.एल. मुनियाल, जे. एस. रावत और मुकेश कण्डारी सहित एम.ए. तृतीय और प्रथम सेमेस्टर के सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन एम. ए. तृतीय सेमेस्टर के छात्र राहुल धुनियाल द्वारा किया गया।

कर्णप्रयाग कालेज में गांधी– शास्त्री जयन्ती पर आयोजित हुए विभिन्न कार्यक्रम

02 अक्टूबर 2024

महाविद्यालय में महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर महाविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें महात्मा गांधी के आदर्शों एवं शास्त्री जी की सत्यनिष्ठा पर चर्चा की गई। मुख्य वक्ता डॉ० वी. आर. अन्थवाल, डॉ० बी० सी० नेगी, डॉ० अखिलेश कुकरेती एवं कीर्तिराम डंगवाल ने छात्रों को महात्मा गांधी के विचारों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि गांधी जी के विचार न केवल भारत, बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रासंगिक हैं। शास्त्री जी की ईमानदारी और सत्यनिष्ठा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि नैतिकता जीवन में सर्वोपरि है और शास्त्री जी का जीवन इसके अनुपालन का सजीव उदाहरण है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० वी० एन० खाली ने अपने संबोधन में कहा, "गांधी जी सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचारधारा हैं। उन्हें समझना, भारत को समझने जैसा है। वहीं शास्त्री जी का कद भले ही छोटा था, लेकिन उनका व्यक्तित्व बेहद विशाल और प्रेरणादायक था।" गांधी जयंती के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया, जो 15 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चला। इसमें सभी प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और परिसर की सफाई की। इस दौरान स्वच्छता कार्यक्रम के तहत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रभारी डॉ० चन्द्रावती टम्टा ने कहा, "स्वच्छता ही सेवा है और गांधी जी का सपना था कि भारत का हर नागरिक स्वच्छता का पालन करे।" इसके अतिरिक्त, महाविद्यालय की उद्यमी छात्रा साहिबा को 'उत्तराखंड देवभूमि उद्यमिता योजना' के अंतर्गत 75,000 रुपये की राशि प्राप्त होने पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर साहिबा एवं आरजू द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी भी आयोजित की गई, जिसमें महाविद्यालय के प्राध्यापकों और प्राचार्य ने उत्पादों की खरीदारी कर छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। प्राचार्य प्रो० वी० एन० खाली ने कहा, "साहिबा न केवल महाविद्यालय के छात्रों के लिए, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेंगी। देवभूमि उद्यमिता योजना उत्तराखंड सरकार और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के द्वारा चलाई जा रही है, जो युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में प्रोत्साहित कर रही है।" कार्यक्रम का संचालन डॉ० आर० सी० भट्ट ने किया। इस अवसर पर हिना नौटियाल, डॉ० एम० एस० कंडारी, डॉ० राधा रावत सहित महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक भी उपस्थित थे।

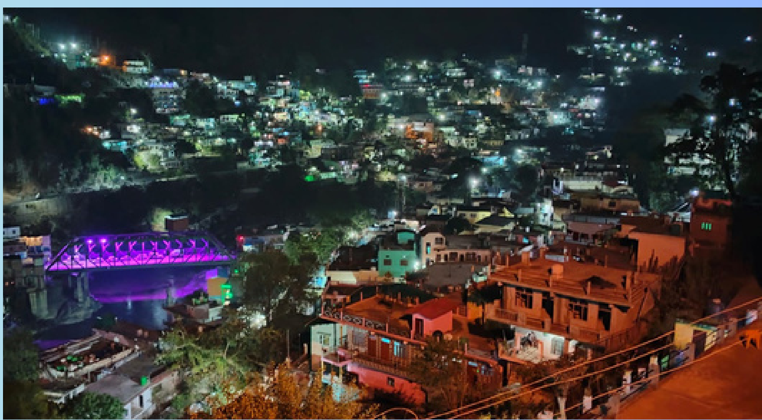

आकांक्षा साहित्यिक परिषद में विद्यार्थियों ने दिखाई अपनी कवित्व प्रतिभा

02 अक्टूबर 2024

संस्कृत विभाग द्वारा आकांक्षा साहित्यिक परिषद का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी कविताओं के माध्यम से साहित्यिक प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया। इस आयोजन में हिमानी, सानिया, अभिनव, अभय भूषण, शालिनी, अमीषा, राखी सहित अन्य विद्यार्थियों ने अपनी स्वरचित कविताओं का सशक्त गायन कर श्रोताओं को प्रभावित किया। उनकी कविताओं में सामाजिक और समसामयिक मुद्दों का गंभीरता से उल्लेख किया गया, जिससे उनकी साहित्यिक क्षमता झलकी। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. वी. एन. खाली ने विद्यार्थियों की कवित्व क्षमता की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार के साहित्यिक कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में सहायक होते हैं। इस अवसर पर मुख्य कवि डा. प्रवीण शर्मा ने भी अपनी काव्य प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं, डा. चंद्रमोहन जनस्वाण ने अपनी कविता के माध्यम से समाज में महिलाओं की दशा का सजीव चित्रण किया, जो श्रोताओं के दिल को छू गया। कार्यक्रम में डा. मृगांक मलासी ने विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों पर आधारित कविताओं का वाचन किया, जो श्रोताओं के बीच गहरी छाप छोड़ने में सफल रहा। इसके साथ ही, अखिलेश कुकरेती ने बच्चों की कवित्व प्रतिभा की सराहना करते हुए इसे मनोरंजक और प्रेरणादायक बताया। आयोजन के समापन में दिवंगत प्राध्यापक डा. तौफीक अहमद की स्मृति में कार्यक्रम को समर्पित किया गया। इस भावपूर्ण श्रद्धांजलि ने उपस्थित लोगों को गहरे भावनात्मक क्षणों से भर दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रज्ञा और अमीषा ने किया, जिन्होंने अपनी प्रस्तुति से मंच को कुशलतापूर्वक संभाला। इस अवसर पर डा. कविता पाठक, डा. चंद्रावती, डा. भरत बैरवाण, डा. हरीश बहुगुणा, डा. शालिनी सैनी सहित महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भारत स्काउट एवं गाइड्स के पांच दिवसीय निपुण टेस्टिंग कैंप में कर्णप्रयाग कालेज के 12 विद्यार्थियों का प्रतिभाग

04 अक्टूबर 2024

भारत स्काउट एवं गाइड्स उत्तराखंड देहरादून द्वारा पंजीकृत रोवर रेंजर हेतु निपुण रोवर रेंजर पांच दिवसीय टेस्टिंग कैंप का आयोजन दिनांक 30.9.2024 से दिनांक 4 .10. 2024 तक प्रादेशिक कैंपिंग सेंटर भोपाल पानी देहरादून में किया गया जिसमें डॉ. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय करणप्रयाग से 6 रोवर 6 रेंजर एवं उनके टीम प्रभारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। टीम प्रभारी रोवर डा. हरीश चंद्र रतूड़ी टीम प्रभारी रेंजर डॉ. शीतल देशवाल रोवर्स टीम आदित्य चौहान, जगदीश प्रसाद, दिवस नेगी ,साकेत सिंह, आयुष, हिमांशु कंडारी एवं रेंजर्स टीम में कुमारी मल्लिका, प्रियंका, अमीषा , अल्पना ,वेदिका , तनीषा आदि द्वारा प्रतिभाग किया गया ।

गढ़भोज दिवस पर पहाड़ी व्यंजनों की खुशबू से महका कर्णप्रयाग कॉलेज

07 अक्टूबर 2024

औषधीय गुणों से युक्त उत्तराखंड के पारंपरिक अनाजों और व्यंजनों की लोकप्रियता को बढावा देने के उद्देश्य से राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री के जन्म दिवस पर मनाया जाने वाला गढ़भोज दिवस स्थानीय पीजी कॉलेज में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। 'उत्तराखंड के पारंपरिक व्यंजन' विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। साथ ही छात्रों ने विभिन्न पहाड़ी व्यंजनों को बनाकर प्रदर्शनी लगाई। पहाड़ी अर्से, रोटन, मंडुवे की रोटी, झंगोरे की खीर, भांग की चटनी, गहद की दाल एवं अन्य पहाड़ी व्यंजनों को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डा. वी. एन. खाली ने विभिन्न पारंपरिक व्यंजनों के महत्व पर प्रकाश डाला। डा. बी. सी. एस. नेगी ने उत्तराखंड की संस्कृति और खान-पान के विषय में बताया। डॉ इंद्रेश पांडेय ने मिलेट्स पर विस्तृत व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वी. आर. अंथवाल ने किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अखिलेश कुकरेती ने किया। कार्यक्रम में डा. हरीश रतूड़ी, डा नेतराम , डा. हरीश बहुगुणा, डा. कीर्तिराम सहित समस्त प्राध्यापक मौजूद रहे।

महाविद्यालय के हिंदी विभाग में हुआ विभागीय परिषद का गठन

08 अक्टूबर 2024

हिंदी विभाग में दिनांक 8 अक्टूबर को विभागीय परिषद का गठन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर बी०एन० खाली ने छात्र-छात्राओं को विभागीय परिषद एवं जीवन में शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। विभाग प्रभारी डॉ० राधा रावत ने छात्र-छात्राओं के सम्मुख विभागीय परिषद के गठन और उसके उद्देश्य को लेकर जानकारी प्रस्तुत की। विभागीय परिषद के संबंध में डॉ० चंद्रमोहन जनस्वाण व रविंद्र नेगी ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये। विभागीय परिषद में एम० ए० तृतीय सेमेस्टर की छात्रा कुमारी राखी को अध्यक्ष, एम० ए० प्रथम सेमेस्टर की छात्रा रिया को उपाध्यक्ष, बी० ए० पंचम सेमेस्टर की छात्रा ऊष्मिता को सचिव, बी० ए० तृतीय सेमेस्टर की छात्रा कुमारी रिया को संयुक्त सचिव, बी० ए० प्रथम सेमेस्टर से कुमारी अमीषा को सह सचिव नियुक्त किया गया। बी० ए० प्रथम सेमेस्टर से मोहित को छात्र व कुमारी नेहा को छात्रा प्रतिनिधि, बी० ए० तृतीय सेमेस्टर से सचिन कुमार को छात्र व कुमारी मोनिका को छात्रा प्रतिनिधि, बी०ए० पंचम सेमेस्टर से सूरज कुमार को छात्र व कुमारी मोनिका को छात्रा प्रतिनिधि नियुक्त किया गया। तत्पश्चात छात्र-छात्राओं के द्वारा अपनी स्वरचित कविताओं का वाचन किया गया। हिंदी के प्राध्यापक डॉ० चंद्रमोहन जनस्वाण ने भी अपनी स्वरचित कविता "अस्तित्व की छाया में" शीर्षक कविता का वाचन किया।

उत्तराखंड संस्कृत अकादमी द्वारा आयोजित संस्कृत छात्र प्रतियोगिता में महाविद्यालय का नाम किया रौशन

16 अक्टूबर 2024

उत्तराखंड संस्कृत अकादमी द्वारा आयोजित संस्कृत छात्र प्रतियोगिता 2024-25 में खण्ड स्तर पर महाविद्यालय, कर्णप्रयाग ने तीन प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया। जिनमें से संस्कृत नाटक एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्रों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तो समूहगान में छात्रों ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इन तीनों ही प्रतियोगिताओं में छात्रों को अब जिला स्तर पर प्रतिभाग करने का अवसर मिलेगा। डा. मृगांक मलासी ने छात्रों को इस समस्त प्रतियोगिता हेतु तैयार किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. वी. एन. खाली जी ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि छात्रों ने महाविद्यालय का नाम रौशन किया है आगे भी छात्र जिला स्तर पर भी विजयी होंगे। भाषण में प्रज्ञा, एवं शैलेष ने आत्मनिर्भर भारतस्य विकासे संस्कृत दृष्टि आवश्य की विषय पर पक्ष और विपक्ष में अपनी बात रखी। बेरोजगारी व्यथा पर हुए नाटक को दर्शकों ने खूब सराहा। जिसमें अनुराग, मनीष, शैलेष, प्रज्ञा, सानिया आदि छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इसी प्रकार समूह गान में निकिता, प्रियंका, दिया, उष्मिता, आकृति, काजल, रोहित, नीरज, ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कर्णप्रयाग महाविद्यालय में चलाया गया नशामुक्ति अभियान

19 अक्टूबर 2024

महाविद्यालय में धूम्रपान/नशा मुक्ति समिति/एंटी ड्रग सेल के अंतर्गत नशा मुक्ति अभियान चलाया गया। अभियान में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने नशा मुक्त भारत का संकल्प लिया तथा महाविद्यालय परिसर एवं देवतोली क्षेत्र में जन जागरूकता रैली निकाली गई साथ ही छात्रों को नशा मुक्ति को लेकर शपथ भी दिलाई गई। समिति के संयोजक डॉ रविंद्र नेगी ने कहा कि हमारा समाज तब तक पूर्ण रूप से सभ्य समाज नहीं कहलायेगा जब तक समाज नशा मुक्त नहीं हो सकेगा। समाज का विकास तभी संभव है जब हम समाज को नशे से मुक्त करेंगे। नशा सामाजिक विकृति का सबसे बड़ा कारण है इस विकृति को दूर करने के लिए यहां जागरूकता फैलानी अति आवश्यक है। इस अवसर पर समिति के सदस्य डॉ चंद्र मोहन जानस्वाण, डॉ पूनम, डॉ स्वाति संुदरियाल, डॉ नरेंद्र पंघाल, डॉ तरुण कुमार, डॉ विनोद चंद्र, डॉ दिशा शर्मा आदि उपस्थित थे।

हिमालय के सांस्कृतिक और भौगोलिक महत्व पर मिजोरम विश्वविद्यालय के प्रोफेसर का व्याख्यान

22 अक्टूबर 2024

भूगोल विभाग के तत्वावधान में 'हिमालय के महत्त्व' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता मिजोरम केन्द्रीय विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर वी पी सती रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना और प्राचार्य प्रोफेसर वी एन खाली द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रो वी पी सती ने हिमालय के विभिन्न पहलुओं को विस्तार से बताया। उन्होंने हिमालय के धार्मिक, सांस्कृतिक, सामरिक और जैविकीय पहलूओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डा. आर सी भट्ट ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डा. बीसीएस नेगी द्वारा किया गया। कार्यशाला में डा. अखिलेश कुकरेती, डा एम एस कंडारी, डा. नेहा तिवारी, डा. नरेंद्र पंघाल, डा. राधा रावत, डा. इंद्रेश पांडेय, डा. वी आर अंथवाल, डा डी एस राणा सहित समस्त प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

वाणिज्य विभाग में परिषद का गठन

26 अक्टूबर 2024

वाणिज्य विभाग में परिषद का गठन किया गया जिसमें नितिन रावत को अध्यक्ष नितिशा बिष्ट को उपाध्यक्ष, आयुष को सचिव, आदित्य चौहान को सह सचिव एवं रिया थपलियाल को कोषाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। वाणिज्य परिषद के गठन के अवसर पर वाणिज्य विषय में रोजगार के अवसर विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सारिका ने प्रथम, नितिन रावत ने द्वितीय , शिवानी खत्री ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम की शुरुआत छात्राओं के द्वारा स्वागत गीत से की गई। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर वी.एन.खाली ने चुने गए पदाधिकारियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया एवं भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी वाणिज्य विभाग प्रभारी डा. हरीश चंद्र रतूड़ी एवं अन्य प्राध्यापक श्री दीप सिंह, श्री नेतराम गौतम, श्री तरुण कुमार के द्वारा भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को सामूहिक रूप से पुरस्कार वितरण किया गया ।

'दिवाली विद माय भारत' के तहत स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण अभियान संपन्न

महाविद्यालय में 28 अक्टूबर से 30 अक्टूबर 2024 तक 'दिवाली विद माय भारत' कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन तीन दिनों में स्वयंसेवियों ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश फैलाया। कार्यक्रम के पहले दिन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. वी. एन. खाली ने स्वयंसेवियों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के महत्व की जानकारी दी। स्वयंसेवियों को प्रदूषण और इसके दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। इसके बाद राष्ट्रीय सेवा योजना वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ चंद्रावती टम्टा के नेतृत्व में महाविद्यालय प्रांगण में स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें सभी स्वयंसेवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दूसरे दिन, स्वयंसेवियों ने निकट बाजार में सफाई अभियान का चलाया । इसके साथ ही एक जागरूकता रैली आयोजित की गई, जिसमें स्थानीय लोगों से स्वच्छ और स्वस्थ दिवाली मनाने की अपील की गई। रैली के दौरान स्वयंसेवियों ने पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने वाले नारे लगाकर लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम के अंतिम दिन, 30 अक्टूबर को, स्वयंसेवियों ने निकटवर्ती नदी किनारे सफाई अभियान चलाया। इस दौरान बड़ी मात्रा में प्लास्टिक की बोतलें और पॉलिथीन एकत्रित की गईं। साथ ही, स्थानीय निवासियों को नदी का पानी गंदा करने के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. वी. एन. खाली ने इस तीन दिवसीय कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अभियान न केवल छात्रों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए भी प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम ने छात्रों के साथ-साथ स्थानीय समुदाय के बीच भी जागरूकता का संचार किया।

उत्साह और उमंग के साथ आयोजित हुआ वार्षिक खेल समारोह

27 अक्टूबर 2024

महाविद्यालय में दो दिवसीय 45वें वार्षिक क्रीड़ा समारोह का आयोजन भव्यता के साथ संपन्न हुआ। समारोह का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) वी. एन. खाली ने तीनों संकायों के झंडारोहण और एनसीसी छात्र-छात्राओं द्वारा दी गई मार्च पास्ट की सलामी के साथ किया। प्राचार्य और समस्त प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों का बैच अलंकरण समारोह के दौरान किया गया। उद्घाटन भाषण में प्राचार्य ने खेल-कूद को जीवन का सबसे महत्वपूर्ण क्रियाकलाप बताते हुए कहा कि यह मन और मस्तिष्क को स्वस्थ बनाए रखने में सहायक है। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाई कि वे अनुशासन और खेल भावना का पालन करते हुए महाविद्यालय की गरिमा और खेल की प्रतिष्ठा बनाए रखेंगे। साथ ही उन्होंने स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का भी आह्वान किया। क्रीड़ा प्रभारी डॉ. वी. आर. अंथवाल ने मंच से दो दिवसीय क्रीड़ा समारोह की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की और प्रतियोगिताओं के नियम एवं निर्देश छात्र-छात्राओं को समझाए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आर. सी. भट्ट ने किया। खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ गत वर्ष की छात्रा चैम्पियन अमीषा द्वारा मशाल जलाकर और खेल मैदान का चक्कर लगाकर किया गया। समारोह के दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में छात्रों और छात्राओं का जोश और उत्साह देखने लायक था। रस्साकसी, लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फेंक, चक्का फेंक, और दौड़ जैसे कई आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुए। बी. कॉम. पंचम सेमेस्टर के वेदान्त टाकुली ने चक्का फेंक, लंबी कूद, ऊंची कूद, और 100 व 200 मीटर दौड़ में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, बी. ए. चतुर्थ सेमेस्टर की गुंजन ने गोला फेंक, भाला फेंक, चक्का फेंक, और 800 व 3000 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान हासिल किया। वेदान्त टाकुली और गुंजन को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए 2024-25 के छात्र और छात्रा वर्ग के चैम्पियन का खिताब दिया गया। समारोह का समापन भव्य पुरस्कार वितरण के साथ हुआ। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. खाली ने छात्रों को खेलों के महत्व और शैक्षणिक गतिविधियों के साथ उनके संतुलन पर जोर दिया। क्रीड़ा प्रभारी डॉ. अंथवाल ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन में योगदान देने वाले सभी प्राध्यापकों, कर्मचारियों, और छात्रों का आभार व्यक्त किया। समारोह में महाविद्यालय के प्रमुख प्राध्यापक डॉ. अखिलेश कुकरेती, डॉ. एम. एस. कंडारी, डॉ. कविता पाठक सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। यह आयोजन महाविद्यालय की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाने के साथ खेल और शिक्षा के आदर्श संतुलन को दर्शाने में सफल रहा।
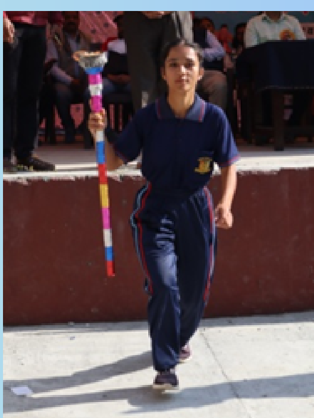
हिमाचल में साहसिकता की नई कहानी: ट्रिउंड ट्रैक पर महाविद्यालय के स्वयंसेवी

31 अक्टूबर 2024

अटल बिहारी वाजपेई पर्वतारोहण खेल संस्थान धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में आयोजित दस दिवसीय राष्ट्रीय साहसिक कार्यक्रम शिविर के नौवे दिन उत्तराखंड के स्वयंसेवियों को ट्रिउंड ट्रैक पर ले जाया गया। यह ट्रैक उत्तराखंड के प्रतिभागियों के लिए एक महत्वपूर्ण अनुभव साबित हुआ, जहां उन्हें प्राकृतिक सौंदर्य और चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इस साहसिक यात्रा में तेलंगाना और हरियाणा के स्वयंसेवियों ने भी भाग लिया। संस्थान के प्रशिक्षक श्री सोम दत्त ने बताया कि धर्मशाला से लगभग 2,875 मीटर की ऊंचाई पर स्थित टिउंड ट्रैक हिमालय की गोद में एक आकर्षक और चुनौतीपूर्ण रास्ता है, जो न केवल शारीरिक सहनशक्ति को परखता है बल्कि मानसिक दृढ़ता को भी बढ़ावा देता है। ट्रिउंड का अर्थ होता है 'तीन रास्तों का मिलन', जो इस ट्रैक के माध्यम से तीन विभिन्न पहाड़ी मार्गों के संगम को दर्शाता है। इस ट्रैक को सफलतापूर्वक पूरा करने में संस्थान के प्रशिक्षक श्री बृज, श्री श्याम, श्री केतन और श्रीमती संतोष का मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा। उनके नेतृत्व में स्वयंसेवियों ने साहस, संयम और अनुशासन का प्रदर्शन किया। उत्तराखंड टीम लीडर डॉ. कुंवर सिंह व हिना नौटियाल ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि इस साहसिक शिविर में भाग लेकर स्वयंसेवियों ने न केवल प्राकृतिक वातावरण का अनुभव किया, बल्कि अपने भीतर छिपी संभावनाओं को भी पहचाना।

"कुलपति प्रोफेसर एन के जोशी ने पी जी कालेज कर्णप्रयाग का किया निरीक्षण "

08 नवंबर 2024

श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय बादीशाहीथौल टिहरी गढवाल के कुलपति प्रोफेसर एन. के. जोशी ने डॉ. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मे पहुंचने पर महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ अखिलेश कुकरेती सहित समस्त प्राध्यापक एंव कर्मचारियो ने पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। कुलपति ने महाविद्यालय में होने वाली विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं के सम्बन्ध मे चर्चा की साथ ही छात्र एंव छात्राओं की अंकतालिका एंव परीक्षा फार्म भरने मे होने वाली समस्याओ के सम्बन्ध मे चर्चा की कुलपति महोदय ने महाविद्यालय के परीक्षा नियंत्रण कक्ष एंव परीक्षा कक्ष एंव अध्ययन कक्ष का निरीक्षण भी किया महाविद्यालय की व्यवस्थाओं पर उन्होने सन्तोष व्यक्त किया। महाविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय सम्बन्धित विभिन्न समस्याओ के सम्बन्ध मे कुलपति महोदय को अवगत कराया जिसका कुलपति महोदय द्वारा शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर डॉ एम एस कण्डारी, डॉ आर सी भट्ट, डॉ भाल चन्द्र सिंह नेगी, डॉ एच सी रतूड़ी, डॉ राधा रावत, डॉ नेहा तिवारी, डॉ भरत लाल बैरवाण, डॉ चन्द्रमोहन जंस्वाण, डॉ कीर्तिराम डंगवाल, श्री एस एल मुनियाल, श्री जे एस रावत, श्री मुकेश कंडारी सहित समस्त प्राध्यापक एंव कर्मचारी छात्र संघ पदाधिकारी उपस्थित थे।

कर्णप्रयाग कॉलेज में 25वां उत्तराखंड स्थापना दिवस: एनएसएस द्वारा अलकनंदा-पिंडर सफाई अभियान आयोजित

08 नवंबर 2024

महाविद्यालय, कर्णप्रयाग की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 25वें उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डा. चंद्रावती व हिना नौटियाल के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने अलकनंदा-पिंडर संगम पर सफाई अभियान चलाया और नदी किनारे पड़े हुए प्लास्टिक कचरे को एकत्रित किया। अभियान के दौरान, स्वयंसेवकों ने आसपास के लोगों को भी स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. वी. एन.खाली ने कहा कि एनएसएस स्वयंसेवियो के इस प्रयास से स्थानीय जनता को स्वच्छता के प्रति जागरूकता और प्रेरणा मिलेगी और वे प्रकृति के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण रख सकेंगे ।

कर्णप्रयाग कॉलेज की अस्मिता और निधि आरबीआई राज्य स्तरीय क्विज प्रतियोगिता के लिए चयनित

10 नवंबर 2024

बी.कॉम तृतीय सेमेस्टर की छात्राएं अस्मिता रावत और निधि ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में टीम लीडर हिना नौटियाल के नेतृत्व में हिस्सा लिया। यह प्रतियोगिता आरबीआई के द्वारा देहरादून स्थित होटल हयात में आयोजित की गई, जिसमें गवर्नमेंट पीजी कॉलेज, आईआईटी, जी.बी. पंत यूनिवर्सिटी, यूपीईएस और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। अस्मिता और निधि आरबीआई की ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता में अपनी योग्यता साबित कर इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुई। हालांकि, प्रतियोगिता में शीर्ष स्थान प्राप्त करने में असमर्थ रहने के बावजूद, अस्मिता और निधि का प्रदर्शन सराहनीय रहा। महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक डॉ. हरीश रतूड़ी, डॉ. तरुण, डॉ. दीप सिंह, डॉ. रविंद्र कुमार और डॉ. नेतराम ने छात्राओं के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह अनुभव छात्राओं के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा और उन्हें आगे और अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगा।

"शैक्षणिक भ्रमण के लिए पी जी कॉलेज कर्णप्रयाग भूगोल के छात्र पहुंचे कुमाऊँ-मंडल "

16 नवंबर 2024

बी ए पंचम सेमेस्टर भूगोल विषय के 25 सदस्यीय टीम ने भूगोल विभाग प्रभारी डॉ आर सी भट्ट, डॉ बी सी एस नेगी, डॉ नेहा तिवारी पाण्डेय के दिशा निर्देशन मे तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण पर कुमाऊँ-मंडल के बागेश्वर एंव अल्मोड़ा जनपद मे चाय बागान एंव बैजनाथ मन्दिर के ऐतिहासिक एंव धार्मिक स्थल प्राचीन मन्दिर का अध्ययन किया। बैजनाथ उन चार मन्दिर मे से एक है जिन्हे भारत सरकार की स्वदेश दर्शन योजना के तहत 'शिव हेरिटेज से जोडा गया है। छात्र एंव छात्राओं द्वारा शैक्षणिक भ्रमण के तहत हिमालय पर्वतमाला के शानदार नजारों के लिए कौसानी क्षेत्र का अध्ययन भी अध्ययन किया। जिसमे हिन्दी के प्रसिद्ध कवि सुमित्रानन्दन पन्त के बारे मे जानकारी एंव अनासक्ति आश्रम मे जाकर गान्धी जी से सम्बन्धित महत्वपूर्ण जानकारी एंव हिमालय पर्वत माला की जानकारी प्राप्त की। द्वितीय दिवस पर अल्मोड़ा शहर का भ्रमण एंव चितई स्थित न्याय के प्रसिद्ध गोलू देवता के दर्शन किए। साथ ही उत्तराखंड के पांचवे धाम के रूप मे प्रसिद्ध जोगेश्वर धाम के दर्शन किए। भौगोलिक भ्रमण के तहत छात्र एंव छात्राओं ने अपने विषय सम्बन्धित आंकड़ो का संग्रह किया। जिसमे प्राथमिक एंव द्वितीयक आंकड़े एंव सम्बन्धित साहित्य का संग्रह किया। छात्र एंव छात्राओं द्वारा धार्मिक-सांस्कृतिक सामाजिक आर्थिक ऐतिहासिक एंव भौगोलिक पक्षो एवं जलवायु परिवर्तन सम्बन्धित तथ्यो को अध्ययन मे सम्मिलित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर वी. एन. खाली ने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण से छात्र एंव छात्राओ का भौगोलिक ज्ञान बढता है एंव क्षेत्र मे जाकर वास्तविक तथ्यो की जानकारी प्राप्त होती है। भूगोल विभाग प्रभारी एंव टूर निर्देशक डॉ आर सी भट्ट ने बताया की शैक्षणिक भौगोलिक भ्रमण छात्र एंव छात्राओ के सर्वांगीण विकास मे सबसे महत्वपूर्ण पक्ष होता है छात्र एंव छात्राये फील्ड मे जाकर वास्तविक तथ्यो से अवगत होते है। उन्होने बताया की छात्र एंव छात्राओ ने भ्रमण के आधार पर जो आंकडे संकलित किए है उसके आधार पर वे अपनी रिपोर्ट तैयार करेगें जिसे प्रयोगात्मक परीक्षा के समय परीक्षक के समक्ष मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत करेगें। छात्र एंव छात्राओं ने अपने शैक्षणिक भौगोलिक भ्रमण के अनुभव के बारे मे बताते हुए कहा कि हमने जो धार्मिक एंव ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी प्राप्त की उसमे मुख्य रूप से अध्ययन क्षेत्र की प्राकृतिक स्थिति, संसाधनो, प्राकृतिक बनावट, धरातल के स्वरूप, पहाड़ियों की बनावट, अपवाह तन्त्र, पेड-पौधे, जीव जंतु, जलवायु परिवर्तन की जानकारी प्राप्त हुई। साथ ही भ्रमण से शोध के प्रति रूचि मे जागरूकता हुई है, स्थानीय निवासियो से परिचित हुए एवं स्थानीय बोली, भाषा, पहनावे खान-पान, वस्तुओं, कलाओं, सांस्कृतिक परम्पराओं और स्थानीय उत्पाद के बारे जानकारी प्राप्त हुई जो हमारे व्यक्तित्व के विकास का महत्वपूर्ण आधार रहा। भौगोलिक शैक्षणिक भ्रमण मे महाविद्यालय की छात्रा आदिति, मुस्कान सती, महक, निशा, प्रियंका ,चांदनी, नीलाक्षी,शशि, रोशनी, रिया, रितिका, छात्र वर्ग से अंकित कुमार, साहिल, दिव्याशु, विवेक नेगी, दीपक सिंह, साहिल नेगी, विपिन विष्ट, अभिषेक सिंह, एंव समीर, सम्मिलित रहे।

रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा प्राथमिक चिकित्सा, राहत और बचाव का प्रशिक्षण आयोजित

19 नवंबर 2024

रेड क्रॉस सोसाइटी के द्वारा छात्र छात्राओं को प्राथमिक चिकित्सा, राहत और बचाव का प्रशिक्षण दिया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर वी. एन. खाली ने प्रशिक्षक का स्वागत और अभिनंदन करते हुए कहा कि राहत और बचाव कार्य मानव जीवन का सबसे बड़ा धर्म है और यही रेड क्रॉस का भी उद्देश्य है। रेड क्रॉस समिति के मेडालियन प्रशिक्षक राजेंद्र सिंह कंडारी द्वारा छात्र छात्राओं को प्राथमिक चिकित्सा और और विभिन्न आपदाओं से बचाव की संपूर्ण जानकारी डेमो द्वारा दी गई। रेड क्रॉस के प्रमुख उद्देश्यों को बताते हुए उनके द्वारा बताया गया कि किस प्रकार एक घायल व्यक्ति के जीवन मे तीन मिनट महत्वपूर्ण होते हैं। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय रेड क्रॉस प्रभारी कीर्तिराम डंगवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डा. अखिलेश कुकरेती, रेड क्रॉस समिति के सदस्य डा. रवींद्र नेगी अन्य प्राध्यापक कर्मचारी और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी अग्रवाल जातीय कोष, मुंबई द्वारा महाविद्यालय छात्र-छात्राओं को शिक्षा सहायता

20 नवंबर 2024

महाविद्यालय, कर्णप्रयाग में शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रेरणादायक पहल देखने को मिली, जब अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी अग्रवाल जातीय कोष, मुंबई ने जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा सहायता प्रदान की। इस विशेष कार्यक्रम के अंतर्गत 30 छात्र-छात्राओं को ₹2,000 प्रति व्यक्ति की आर्थिक सहायता दी गई, जिससे कुल ₹60,000 की राशि वितरित की गई। इस योगदान ने न केवल विद्यार्थियों के शैक्षिक सफर को मजबूत किया, बल्कि उनके भविष्य निर्माण के प्रति नई ऊर्जा का संचार भी किया। मित्तल चैरिटीज, मुंबई के ट्रस्टी श्री सुरेश मित्तल ने कार्यक्रम में ऑनलाइन जुड़ते हुए शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा ही वह साधन है, जो जीवन में ऊंचाइयों को छूने का मार्ग प्रशस्त करता है। विद्यार्थी अपने सपनों को साकार करने के लिए मेहनत करें और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहें। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. वी. एन. खाली ने अपने उद्बोधन में कहा, यह शिक्षा सहायता न केवल विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास में सहायक होगी, बल्कि उन्हें अपने भविष्य के प्रति और अधिक गंभीर एवं प्रतिबद्ध बनाएगी।प्रो. वी. एन. खाली ने इस सहायता को विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए मारवाड़ी अग्रवाल जातीय कोष और सुरेश मित्तल का आभार व्यक्त किया।और कहा यह सहयोग निसंदेह विद्यार्थियों को आगे बढ़ने और अपने लक्ष्य प्राप्त करने में प्रेरित करेगा। महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रो. के. एल. तलवाड़ भी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े । उन्होंने कहा कि ऐसी सहायता जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए मील का पत्थर साबित होती है और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाती है। और मित्तल महिला महाविद्यालय, सरदारशहर, राजस्थान के प्राचार्य डा. मृत्युंजय पारीक ने भी ऑनलाइन माध्यम से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने आत्मनिर्भरता और शिक्षा की महत्ता पर बल दिया। समिति संयोजक डा. मदन लाल शर्मा ने मित्तल चैरिटीज का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा, पिछले सत्र में जहां 15 विद्यार्थियों को ₹30,000 की सहायता प्रदान की गई थी, वहीं इस बार यह राशि बढ़ाकर 30 विद्यार्थियों के लिए ₹60,000 कर दी गई है। यह कोष शिक्षा क्षेत्र में एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करेगा ।पिछले वर्ष की तुलना में इस बार सहायता राशि दोगुनी कर 30 विद्यार्थियों तक पहुंचाई गई। इस कार्यक्रम में मित्तल महिला महाविद्यालय, सरदारशहर, राजस्थान के प्राचार्य डा. मृत्युंजय पारीक ने भी ऑनलाइन माध्यम से शिरकत की और विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व को समझाते हुए आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी। यह कदम न केवल शिक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करता है, बल्कि सामाजिक दायित्व के प्रति एक नई दिशा दिखाता है। कार्यक्रम का संचालन डा. कीर्तिराम डंगवाल ने किया। इस अवसर पर डा. हिना नौटियाल, डा. स्वाति सुंदरियाल, डा. सुशील चंद्र सती, जे. एस. रावत, महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। महाविद्यालय परिवार ने मारवाड़ी अग्रवाल जातीय कोष के प्रति आभार प्रकट करते हुए इसे विद्यार्थियों के शैक्षिक उत्थान में एक सराहनीय योगदान बताया। मारवाड़ी अग्रवाल जातीय कोष की यह पहल न केवल विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने का कार्य कर रही है, बल्कि शिक्षा के प्रति उनके दृष्टिकोण को और मजबूत कर रही है। महाविद्यालय परिवार ने इस योगदान को सराहा और इसे शैक्षिक उत्थान के लिए एक मील का पत्थर बताया।

"प्रिया देवली को मिला संस्कृत विषय मे गोल्ड मेडल"

22 नवंबर 2024

महाविद्यालय कर्णप्रयाग एम ए संस्कृत की छात्रा प्रिया देवली को श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय बादीशाहीथौल टिहरी गढ़वाल द्वारा ऋषिकेश परिसर मे आयोजित 5 वें दीक्षान्त समारोह मे गोल्ड मेडल दिया गया । प्रिया देवली ने स्नातक एंव स्नातकोत्तर की शिक्षा पी जी कालेज कर्णप्रयाग से प्राप्त की है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर वी. एन. खाली एंव पूर्व प्राचार्य डॉ के एल तलवाड़ ने प्रिया देवली को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महाविद्यालय के लिए यह गौरव की बात है कि चमोली के दुर्गम महाविद्यालय मे ऐसी प्रतिभाएं है जो सीमित संसाधनो से सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर रहे है। संस्कृत विभाग की विभाग प्रभारी डॉ चन्द्रावती टम्टा, डॉ मृगांक मलासी, डॉ हरीश बहुगुणा ने छात्रा को बधाई एंव शुभकामनाएं दी तथा कहा कि यह संस्कृत विभाग के लिए गौरव का विषय है कि ऐसी प्रतिभाशाली छात्रा यहां अध्ययनरत रही है। मीडिया प्रभारी डॉ आर सी भट्ट ने बताया कि छात्रा ने सीमित संसाधनो के साथ अपनी शिक्षा ग्रहण की है। छात्रा मूल रूप कमेडा गौचर (चमोली) की निवासी है। छात्रा नियमित रूप महाविद्यालय मे उपस्थित रहती थी। छात्रा ने गुरूजनो एंव अपनी अथक मेहनत से सर्वोच्च अंक प्राप्त कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया है। छात्रा की इस उपलब्धि के लिए महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापको एंव कर्मचारियों ने शुभकामनाएं दी।

वाद विवाद प्रतियोगिता में राज्य में छात्रों ने प्राप्त किया द्वितीय स्थान

23 नवंबर 2024

उत्तराखंड संस्कृत अकादमी द्वारा आयोजित संस्कृत छात्र प्रतियोगिता 2024-25 में राज्य स्तर पर महाविद्यालय, कर्णप्रयाग के छात्र- छात्राओं ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इससे पूर्व खण्ड एवं जिला स्तर पर इन छात्रों के द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त किया गया था राज्य स्तर पर प्रतिभाग करने हेतु डा. मृगांक मलासी के साथ छात्र हरिद्वार गए थे। उन्होंने बताया कि छात्रों की प्रतिस्पर्धा उत्तराखण्ड के समस्त जिलों में प्रथम स्थान पर आए प्रतिभागियों के साथ थी। जिसमें संस्कृत गुरुकुल एवं संस्कृत महाविद्यालय के छात्रों के मध्य अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज की। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. वी. एन. खाली जी ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि छात्रों ने महाविद्यालय का नाम रौशन किया है। भविष्य में भी यह इसी प्रकार आगे बढ़ेगा ऐसा दृढ़ विश्वास है। डा. मृगांक मलासी ने कहा कि दोनों छात्रों प्रज्ञा, एवं शैलेष ने 'आत्मनिर्भर भारतस्य विकासे संस्कृतदृष्टि आवश्यकी' विषय पर पक्ष और विपक्ष में अपनी बात गम्भीरतापूर्वक रखी। जिसे सभी के द्वारा सराहा गया। छात्रों को पुरस्कार में पाँच हजार रुपए की धनराशि प्राप्त हुई।

"पी जी कालेज कर्णप्रयाग मे एन सी सी कैडेट्स ने स्वच्छता पर की पैदल गश्त "

23 नवंबर 2024

महाविद्यालय मे एन सी सी कैडेट्स ने स्वच्छता पर Foot policing (पैदल गश्त) के जरिए महाविद्यालय से मुख्य बाजार कर्णप्रयाग-देवतोली मे जन-जागरूकता रैली का आयोजन किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर वी. एन. खाली एंव एन सी सी प्रभारी डॉ नरेंद्र पंघाल ने स्वच्छता के महत्व के बारे मे कैडेट्स को जानकारी दी तथा कहा कि प्रत्येक कैडेट्स अपनी निकटवर्ती क्षेत्र गांव मे जाकर आम जनमानस को स्वच्छता के प्रति जागरूक करे। समाज को प्रदूषण मुक्त करने मे अपनी भागीदारी निभाये। एन सी सी कैडेट्स द्वारा "स्मार्ट सिटी मिशन-अमृत धरोहर योजना" विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता मे एन सी सी कैडेट्स अंशू, अमीषा ,अनुज, ने विषय के पक्ष मे एंव कैडेट्स अंशुल, मयंक, दीक्षा, ने विषय के विपक्ष मे अपने - अपने विचार रखे। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ एम एस कण्डारी डॉ आर सी भट्ट डॉ एच सी रतूड़ी डॉ नेहा तिवारी पाण्डेय, सहित समस्त प्राध्यापक एंव कर्मचारी और एन सी सी कैडेट्स उपस्थित थे।

"हर्षोल्लास से मनाया गया एनसीसी दिवस। सांस्कृतिक कार्यक्रम एंव विभिन्न प्रतियोगिताओ की रही धूम"

24 नवंबर 2024

महाविद्यालय मे एनसीसी इकाई द्वारा 76 वां एनसीसी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। एनसीसी की 13 एस डी प्लाटून कर्णप्रयाग द्वारा महाविद्यालय सभागार मे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर वी एन खाली ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया। एनसीसी कैडेट्स को सम्बोधित करते हुए उन्होने कहा कि एनसीसी हमारे भावी विकास एंव व्यक्तित्व विकास मे सबसे महत्वपूर्ण है। एनसीसी के लाभ बताते हुए राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित किया। एनसीसी प्रभारी डॉ नरेंद्र पंघाल ने व्यक्तिव विकास मे एन सी सी की भूमिका पर प्रकाश डाला एंव कहा कि प्रत्येक कैडेट्स को हमेशा अनुशासन मे रहकर राष्ट्र की सेवा के लिए हमेशा आगे रहना चाहिए। इसके पश्चात एनसीसी कैडेट्स द्वारा रंगोली,गायन, संगीत,नृत्य, चित्रकला प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया। एन सी सी कैडेट्स द्वारा स्थानीय एंव विभिन्न प्रांतो की संस्कृति से सम्बन्धित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुत दी। कार्यक्रम सम्पन्न होने के पश्चात पुरूस्कार वितरण किया गया। समूह नृत्य, गायन, प्रतियोगिता मे एनसीसी द्वितीय वर्ष के कैडेट्स ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। एकल गायन मे ज्योति ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। रंगोली, चित्र कला, प्रतियोगिता मे एनसीसी प्रथम वर्ष के कैडेट्स ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ चन्द्रावती टम्टा, डॉ एम एल शर्मा, डॉ स्वाति सुन्दरियाल, डॉ हिना नौटियाल, एनसीसी के समस्त कैडेट्स एव राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जोशीमठ के ए एन ओ लेफ्टिनेंट डॉ राजेन्द्र राणा भी उपस्थित रहे।

उत्तरायणी संस्था द्वारा कैरियर काउंसलिंग कार्यशाला का आयोजन

25 नवंबर 2024

महाविद्यालय में उत्तरायणी संस्था द्वारा कैरियर काउंसलिंग की एकदिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में उत्तरायणी संस्था द्वारा छात्र-छात्राओं को करियर के संबंध में अनेक सलाह दी गई। महाविद्यालय केरियर काउंसलिंग सेल के संयोजक डा. हरीश रतूड़ी ने मंच का संचालन करते हुए बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को एक नई दिशा देंगे। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर बी.एन. खाली ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा यह कैरियर काउंसलिंग कार्यशाला छात्र-छात्राओं को एक नई उड़ान प्रदान करेगी। कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्र के सेना में शहीद परिवार के परिजनों के सम्मान के साथ हुआ। दिल्ली सरकार में पावर कॉरपोरेशन के पूर्व सलाहकार कांति वल्लभ धौलाखंडी ने बताया उत्तरायणी संस्था के प्रयासों से श्रीनगर और अल्मोड़ा जैसे स्थानों पर सिविल सर्विसेज परीक्षा सेंटर बनाए गए और उसके सार्थक परिणाम मिले। वीर श्रीधर पोखरियाल ने अपने संबोधन में बताया कि गुरु कृपा और दृढ़ निश्चय हमें लक्ष्य तक पहुँचाता है। उन्होंने छात्रों को यह भी बताया कि गायन, वादन, नृत्य, कला आदि किसी भी क्षेत्र में यदि जाना चाहते हैं तो हमारी संस्था मदद के लिए तैयार है। कर्नल डी.एस. बर्तवाल ने छात्र छात्राओं को देश सेवा के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की कैरियर काउंसलिंग सेल के सदस्य डा. कीर्तिराम डंगवाल, डॉ रविंद्र कुमार डॉ तरुण कुमार के अलावा सामाजिक कार्यकर्ता भुवन नौटियाल, गोविंद सिंह तोपाल, अन्य प्राध्यापक, कर्मचारी मौजूद रहे।

पी0 जी कालेज कर्णप्रयाग के अर्थशास्त्र विषय के छात्राओं ने किया टी फैक्ट्री भटोली का सर्वेक्षण

25 नवंबर 2024

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर अर्थशास्त्र विषय के 15 छात्र/छात्राओं ने टी फैक्ट्री भटोली तथा चांदपुर गड़ी का सर्वेक्षण किया। अर्थशास्त्र विभाग के प्रभारी भरत बैरवाण के निर्देशन में छात्राओं ने टी फैक्ट्री भटोली का चाय प्रसंस्करण की प्रक्रिया तथा चाय उत्पादन पर आर्थिक सर्वेक्षण किया। टी फैक्ट्री प्रभारी अनिल नैथानी ने छात्राओं को चाय प्रसंस्करण तथा गत 5 वर्षो के चाय उत्पादन तथा निर्यात की संपूर्ण जानकारी दी। विभाग प्रभारी भरत बैरवाण जी ने बताया है कि इस प्रकार की गतिविधियों से छात्राओं में शोध अभिकल्प का विकास होता है। साथ में छात्राओं को स्वरोजगार की प्रेरणा मिलती है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर बी. एन. खाली ने कहा है कि इस प्रकार के फिल्ड सर्वेक्षण छात्राओं को आर्थिक पहलुओं के साथ स्वरोजगार के लिए भी को प्रेरित करती है।

संविधान दिवस पर कर्णप्रयाग महाविद्यालय में विचार गोष्ठी और क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

26 नवंबर 2024

राष्ट्रीय सेवा योजना और राजनीति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 26 नवंबर को राष्ट्रीय संविधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 11:00 बजे महाविद्यालय के प्रांगण में प्राचार्य प्रोफेसर वी .एन. खाली द्वारा संविधान दिवस की शपथ दिलाकर किया गया। प्राचार्य ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, संविधान हमें समानता, स्वतंत्रता और न्याय के अधिकार देता है। हमें इसका आदर और पालन करना चाहिए। इस अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें राजनीति विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. मदन लाल शर्मा ने कहा कि संविधान न केवल हमारे अधिकारों की रक्षा करता है, बल्कि वह हमारे कर्तव्यों का भी बोध कराता है I इसके माध्यम से ही हम एक मजबूत और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं I वहीं, डा. कीर्तिराम डंगवाल ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि संविधान दिवस हमें अपने लोकतांत्रिक मूल्यों की याद दिलाने का अवसर देता है I विचार गोष्ठी में डा. कविता पाठक, डा. इंद्रेश पांडे, डा. हरीश बहुगुणा व सोहन मुनियाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इसके उपरांत महाविद्यालय के सभागार में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अजय व राहुल, द्वितीय स्थान सलोनी और तृतीय स्थान सुहानी व अंशुल रावत ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, जिसमें प्राचार्य ने सभी विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए बधाई दी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डा. चंद्रावती, हिना नौटियाल, डॉ चंद्रमोहन जस्वान, डॉ अखिलेश कुकरेती, डा. एम. एस. कंडारी, श्रीमती मीना रियाल सहित समस्त प्राध्यापक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

एनसीसी यूनिट का कमान अधिकारी ने किया निरीक्षण

27 नवंबर 2024

1 यूके बटालियन एनसीसी गोपेश्वर के कार्यवाहक कमान अधिकारी कर्नल राजेश रावत कर्णप्रयाग महाविद्यालय की एनसीसी यूनिट के एक दिवसीय निरीक्षण के लिए महाविद्यालय पहुंचे। कर्नल रावत के साथ हवलदार ईश्वर सिंह एंव विपिन् कुमार भी उपस्थित रहे। महाविद्यालय पहुंचने पर एनसीसी कैडेट्स द्वारा कार्यवाहक कमान अधिकारी कर्नल राजेश रावत को मुख्य गेट से एनसीसी कार्यालय तक पाईलेटिंग के साथ ले गये। एनसीसी कार्यालय पहुंचने पर एन सी सी प्रभारी डॉ नरेंद्र पंघाल एंव कैडेट्स अनुपमा एंव साक्षी द्वारा स्वागत कर पुष्प गुच्छ भेंट किया गया। कर्नल रावत ने यूनिट का निरीक्षण कर उपस्थिति पंजिका बिल बाउचर रख रखाव पंजिका, अध्ययन कक्ष,स्टोर कक्ष का निरीक्षण कर यूनिट के कार्यो पर सन्तोष व्यक्त कर अपनी शुभकामनाएं दी। एनसीसी कैडेट्स को सम्बोधित करते हुए कहा कि यदि आप मे कोई कमी नही है तो बाह्य रूकावटे भी आपको आगे बढ़ने से नही रोक सकती नियमित अभ्यास एंव अनुशासित रहकर हम किसी भी कठिनाई एवं समस्या का सामना कर सफलता प्राप्त कर सकते है। कर्नल रावत ने गणतन्त्र दिवस कैम्प (आर डी सी) के लिए चयनित कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यदि लक्ष्य सामाने रखकर और दृढ संकल्प के साथ हम नियमित अभ्यास करे तो सफलता आपके कदम मे होगी। साथ ही शिक्षण कार्य के साथ हमे अपने मौलिक कर्त्तव्यों अधिकारो को भी ध्यान मे रखते हुए अच्छे कैडेट्स के साथ-साथ एक अच्छा नागरिक भी बनना है।राष्ट्र की सेवा के लिए हमेशा दृढ संकल्प के साथ आगे रहना चाहिए। सम्बोधन के साथ उन्होंने कैडेट्स से उनकी समस्याओं के सम्बन्ध मे चर्चा की और सीघ्र उनकी समस्याओं के समाधान करने के लिए एन सी सी प्रभारी को कहा।साथ ही आगामी माह मे आयोजित होने वाले कैम्प परेड एंव प्रतियोगिताओ मे प्रत्येक कैडेट्स को बढ़चढ़कर प्रतिभाग करने के लिए शुभकामनाएं दी।कर्नल रावत के महाविद्यालय पहुंचने पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर वी एन खाली ने भी प्राचार्य कार्यालय मे उनका स्वागत किया, कहा कि कमान अधिकारी के कैडेट्स को दिये गये टिप्स से सभी कैडेट्स प्रेरणा लेकर दृढ़ संकल्पित होगे । कर्नल रावत के सम्बोधन से कैडेट्स काफी प्रोत्साहित हुए एंव उनमें एक नयी ऊर्जा का संचार हुआ है साथ ही एनसीसी कैडेट्स ने अधिक मेहनत करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर एनसीसी प्रभारी एंव समस्त एनसीसी कैडेट्स उपस्थित थे।

कर्णप्रयाग महाविद्यालय में डॉ भालचंद्र का अभिनंदन समारोह आयोजित

28 नवंबर 2024

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु टीचर्स ऑफ़ द ईयर 2024 पुरस्कार से सम्मानित भूगोल विभाग के प्राध्यापक डॉ भालचंद्र सिंह नेगी को महाविद्यालय परिवार द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ वी एन खाली ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शुभकामनायें दी। उन्होंने कहा कि डॉ नेगी ने गोपेश्वर महाविद्यालय में रहते हुए नमामि गंगे गंगा स्वच्छता अभियान, कैंपस स्वच्छता अभियान के साथ-साथ पेड़ बढ़ाओ, पेड़ बचाओ कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं प्रतियोगिता परीक्षाओं हेतु छात्र-छात्राओं को समय-समय पर निर्देशित करने का कार्य किया। इस प्रकार के कार्यों की महत्ता के आधार पर ही डॉ नेगी को यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है, जिस हेतु महाविद्यालय परिवार डॉ नेगी को पुनः हार्दिक बधाई देता है। उन्होंने कहा कि मैने और डॉ नेगी ने कई समितियां में पूर्व महाविद्यालय में काम किया है। मैं उनकी अति उत्साही कार्य करने की क्षमताओं से हमेशा प्रभावित रहा हूं। इसी क्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ एम एस कंडारी ने सम्मान समारोह में अपने विचार रखते हुए कहा कि डॉ भालचंद्र सिंह नेगी ने महाविद्यालय गोपेश्वर में रहकर जो उत्कृष्ट कार्य किए हैं उनसे महाविद्यालय कर्णप्रयाग को भी इसका लाभ मिलेगा और नेगी के पठन-पाठन के साथ-साथ शैक्षणिक गतिविधियों में छात्र-छात्राओं को इसका लाभ अवश्य मिलेगा इसी क्रम में डा नेहा तिवारी ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ भालचंद्र सिंह नेगी को मिलने वाले पुरस्कार से महाविद्यालय के साथ-साथ भूगोल विभाग भी गौरवनित हुआ है जो महाविद्यालय के साथ-साथ भूगोल विभाग की भी महत्वपूर्ण उपलब्धि कही जा सकती है। इसी क्रम में महाविद्यालय के भूगोल विभाग की विभागीय परिषद अध्यक्ष मनीष पुरोहित ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ भालचंद्र सिंह नेगी सर ने पठन-पाठन और छात्रों को समय-समय पर प्रेरणा दायक विचारों से प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि सर का व्यवहार और कार्य करने की शैली से हर कोई छात्र अवश्य प्रभावित होगा। सर का मिलनसार व्यवहार और अध्ययन अध्यापन से अवश्य महाविद्यालय के छात्रों को नई दिशा, ऊर्जा मिलेगी। मैं ऐसे प्राध्यापकों को नमन करता हूं। इसी क्रम में महाविद्यालय के निवर्तमान छात्र संघ अध्यक्ष ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि आज शिक्षा के क्षेत्र में डॉ नेगी ने महाविद्यालय का ही नाम रोशन नहीं किया बल्कि हर विद्यार्थी और शिक्षकों को प्रेरणा देने का काम किया है। इससे अवश्य ही महाविद्यालय गौरवान्वित हुआ है। संपूर्ण महाविद्यालय डॉ भालचंद्र सिंह नेगी सर को मिले टीचर्स ऑफ़ द ईयर अवार्ड की खुशी से अभिभूत है। इस पुरस्कार को लेकर संपूर्ण क्षेत्र के आमजन में खुशी की लहर देखी जा सकती है।

कर्णप्रयाग महाविद्यालय में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय की स्थापना

28 नवंबर 2024

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी (नैनीताल) द्वारा विश्वविद्यालय कार्य परिषद की 41वीं बैठक मे प्रस्ताव पास कर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग (चमोली) में विश्वविद्यालय का क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित किया गया। कुलपति प्रोफेसर ओ पी एस नेगी महोदय के अनुमोदनानुसार क्षेत्रीय कार्यालय के संचालन के लिए डॉ रमेश चन्द्र भट्ट असिस्टेंट प्रोफेसर भूगोल को सहायक क्षेत्रीय निदेशक नियुक्त किया गया। क्षेत्रीय कार्यालय से चमोली एंव रुद्रप्रयाग जनपद मे संचालित उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के समस्त अध्ययन केन्द्र सम्मलित किया गया है। सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ आर सी भट्ट ने बताया कि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी (नैनीताल) द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय कर्णप्रयाग चमोली मे स्थापित होने से इसके अन्तर्गत जनपद चमोली के जोशीमठ, गोपेश्वर, तलवाड़ी, गैरसैण, नन्दासैण, नागनाथ पोखरी, कर्णप्रयाग, अध्ययन केन्द्र एंव रुद्रप्रयाग जनपद के रुद्रप्रयाग अगस्तयमुनि गुप्तकाशी अध्ययन केन्द्र सहित कुल दस अध्ययन केन्द्रों को सम्मलित किया गया। क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित होने से उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्रो पर शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र-छात्राओ की विभिन्न समस्याओ का समाधान आसानी हो सकेगा। साथ ही प्रयोगात्मक विषयों की कार्यशाला कर्णप्रयाग महाविद्यालय मे ही सम्पन्न होने से छात्र एंव छात्राओ को एक बडी समस्या का समाधान होगा क्योकि इस पूर्व प्रयोगात्मक विषय के छात्र एंव छात्राओ को दस दिवसीय कार्याशाला मे प्रतिभाग करने देहरादून एंव हल्द्वानी जाना पड़ता था। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय खुलने पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर वी एन खाली एंव उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय अध्ययन केन्द्र -17030 के समन्वयक डॉ एम एस कंडारी , डॉ आर सी भट्ट,श्री एस एल मुनियाल,एंव श्री जे एस रावत सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एंव कर्मचारियों ने उच्च शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत ,क्षेत्रीय विधायक अनिल नौटियाल, कुलपति प्रोफेसर ओ पी एस नेगी,क्षेत्रीय सेवायें के निदेशक प्रोफेसर गिरजा प्रसाद पाण्डेय,प्रोफेसर पी डी पन्त,कुलसचिव एंव विश्वविद्यालय का आभार प्रकट किया। साथ ही रुद्रप्रयाग एंव चमोली जनपद के समस्त अध्ययन केन्द्रो के समन्वयक एंव छात्र एंव छात्राओ ने क्षेत्रीय कार्यालय कर्णप्रयाग (चमोली) महाविद्यालय मे स्थापित होने से प्रसन्नता व्यक्त की। कर्णप्रयाग महाविद्यालय दोनो जनपद का केन्द्र बिन्दु है साथ ही दोनो जनपद के छात्र एंव छात्राओ को क्षेत्रीय कार्यालय आने जाने मे आसानी होगी एंव किसी भी समस्या के समाधान के लिए क्षेत्रीय कार्यालय मे आ जा संकेगे।

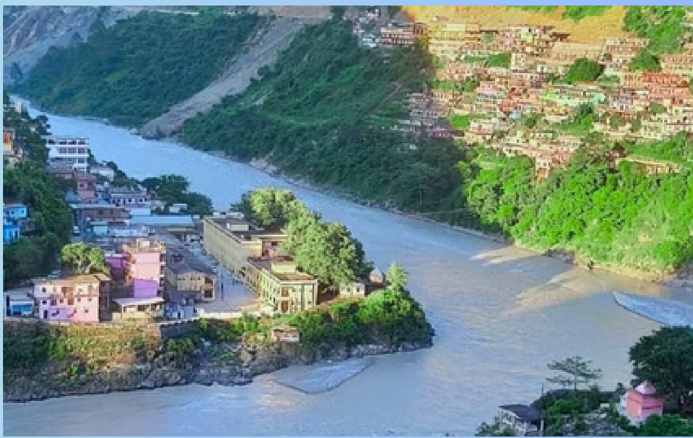

कर्णप्रयाग महाविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग के छात्रों का शैक्षणिक भ्रमण

28 नवंबर 2024

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग के जंतु विज्ञान विभाग के छात्रों का शैक्षणिक भ्रमण उद्यान विभाग गोपेश्वर में कराया गया। इस शैक्षणिक भ्रमण में 20 छात्रों के समूह ने मधुमक्खी पालन केंद्र में जाकर मधुमक्खियों से संबंधित विभिन्न जानकारियां प्राप्त करते हुए इसकी बारीकियों को समझा। इस शैक्षणिक भ्रमण में मधु निरीक्षक अनामिका किमोठी, उद्यान विभाग के सहायक विकास अधिकारी रघुवीर सिंह, डा मनीषा सारस्वत, गिरीश रावत और रविन्द्र झिंकवाण सम्मिलित रहे। यह शैक्षणिक भ्रमण नई शिक्षा नीति 2020 के तहत इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग का भाग था। विभाग के प्राध्यापक डा अखिलेश कुकरेती और डा डी एस राणा ने बताया कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण से छात्रों में स्वरोजगार के द्वारा धनोपार्जन करने का कौशल विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है।

महाविद्यालय में नशा मुक्ति हेतु शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित

03 दिसम्बर 2024

महाविद्यालय में एंटी ड्रग समिति द्वारा नशा मुक्ति के लिए जन जागरूकता अभियान के अंतर्गत एक विशेष शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए प्रेरित करना था। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. वी. एन. खाली ने नशे के दुष्प्रभावों, इसके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक पहलुओं पर चर्चा की । समिति के नोडल अधिकारी डॉ. रविंद्र सिंह ने छात्रों को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति को प्रभावित करता है, बल्कि उसके परिवार और समाज पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी छात्रों ने नशे से दूर रहने और समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए शपथ ली। शपथ में यह भी कहा गया कि वे अपने आसपास के लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करेंगे और स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य और समिति के सभी सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से डॉ. रविंद्र सिंह, डॉ. नेहा तिवारी, डॉ. पूनम, डॉ. स्वाति सुन्दरियाल, डॉ. नरेंद्र पंघाल, डॉ. चंद्रमोहन जनस्वाण, डॉ. कीर्तिराम डंगवाल, डॉ. तरुण कुमार, और डॉ. विनोद चंद्र ने अपनी सहभागिता दर्ज की।

संरक्षक - प्रो. (डॉ.) विश्वनाथ खाली (प्राचार्य)

संपादक मंडल

डॉ. मदन लाल शर्मा

श्रीमती स्वाति सुन्दरियाल

डॉ. वेणी राम अंथवाल